13 / 11 / 81 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

साइलेंस की शक्ति का आधार पर परखने और निर्णय शक्ति का अनुभूति

➢➢ अपने शांत स्वधर्म में स्थित होने का अनुभव

➳ _ ➳ मैं आत्मा अशरीरी होकर बैठ जाती हूँ

→ शांति के सागर अपने शिव पिता को याद रही हूँ

◆ शांति की गहन अनुभूति कर रही हूँ

• पहुंच जाती हूँ अंतर्मुखता एक गुफा में

➳ _ ➳ एकांतवासी बन एक के अंत में खो जा रही हूँ

→ किसी भी प्रकार की कोई आवाज नही

→ संकल्पों की भी हलचल नहीं

◆ मन को गहन शांति की अनुभूति हो रही है

➳ _ ➳ मुझ आत्मा से शान्ती का प्रकंपन निकल रही है

→ वायुमंडल में फैल रही है

→ वायुमंडल को भी शांत बना रहे हैं

◆ शांति की शक्तिशाली किरणों का एक औरा मेरे चारों तरफ बन गया है

• बाहर की स्थूल आवाजों का प्रभाव भी अब मुझे प्रभावित नही कर रहा है

➢➢ मैं अपने मन बुद्धि का कनेक्शन शांति के सागर परमात्मा के साथ जोड़ती हूँ

➳ _ ➳ मन बुद्धि से पहुंच जाती हूँ शांति धाम

→ शांति के सागर अपने शिव पिता परमात्मा के पास

◆ शांति के बहुत ही शक्तिशाली वायब्रेशन इस शांति धाम में फैल रही है

• मुझे असीम शांति से भरपूर कर रहे हैं

• मैं असीम शांति का अनुभव कर रही हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा पहुंच जाती हूं अपने शांति दाता मीठे शिव बाबा के पास

→ सर्वशक्तियों की शक्तिशाली किरणें निकल रही हैं

◆ इन शक्तिशाली किरणों के नीचे बैठकर

• मैं स्वयं को सर्वशक्तियों से भरपूर कर रही हूँ

➢➢ अब मैं आत्मा लौट आती हूँ वापिस साकारी दुनिया में

➳ _ ➳ अपने साकारी ब्राह्मण तन में विराजमान हो जाती हूँ

→ मैं स्वयं को शांति से भरपूर अनुभव कर रही हूँ

◆ अपने शांत स्वधर्म में स्थित होकर

• शांति के लिए भटक रही आत्माओं को भटकने से छुड़ा रही हूँ

➳ _ ➳ मैं अपने लाइट के फ़रिश्ता स्वरूप को धारण कर रही हूँ

→ कल्प वृक्ष की जड़ों में जाकर बैठ जाती हूँ

◆ शांति के सागर अपने प्यारे शिव बाबा को आह्वान करती हूँ

→ परमधाम से बाबा की शक्तिशाली किरणें

→ सीधी मुझ फ़रिश्ते पर पड़ने लगी हैं

→ मुझ से निकल कर

◆ कल्पवृक्ष की टाल टालियों

◆ और पत्ते-पत्ते तक पहुंच कर

◆ सर्व आत्माओं रुपी पत्तों को

• शांति का अनुभव करा रही है

➳ _ ➳ अब कल्पवृक्ष की सभी आत्माएं

→ स्वयं को शांति, शक्ति और सर्व गुणों से

→ संपन्न अनुभव कर रही हैं

➳ _ ➳ अब मैं फ़रिश्ता बापदादा के साथ कम्बाइंड हो कर...

→ विश्व ग्लोब पर आ जाती हूँ

◆ बाबा से शांति की शक्तिशाली किरणें ले कर...

• विश्व की सभी अशांत और दुःखी आत्माओं में प्रवाहित कर रहा हूँ

➳ _ ➳ सभी मनुष्य आत्माएं गहन शांति का आनंद ले रही है

→ अब मैं उन्हें उनका और परमात्मा का वास्तविक परिचय देकर...

→ अपने शांत स्वधर्म में स्थित रहने...

→ और सच्ची शांति पाने का...

◆ सहज रास्ता बता रहा हूँ

• सत्य रास्ता जानकर सभी आत्माएं प्रसन्नचित्त मुद्रा में दिखाई दे रही है

➳ _ ➳ मैं शान्त स्वरूप आत्मा हूँ

➳ _ ➳ मैं एकांतवासी हूँ

➳ _ ➳ सदा एकाग्र रहती हूँ

→ मुझे विशेष दो शक्तियाँ सदा प्राप्त हो रही हैं

◆ परखने की शक्ति

◆ और निर्णय करने की शक्ति

• अब ये शक्तियाँ प्राप्त होने के कारण रोयल रुपी माया को दूर से ही भगा रही हूँ

• मेरा परिवर्तन तीव्रगति से हो रही है